

करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03 नई दिल्ली। मंगलवार 08 अप्रैल -2025

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित



बोलता फोटो



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सड़क दुर्घटना घटे तो घटे। मगर चौराहे से नेताओं के होर्डिंग ना हटे। वैसे तो गाजियाबाद में राजनीतिक अरमानों को पूरा करने के लिए नगर निगम की ओर से कमर्शियल यूनीपोल की व्यवस्था की गई है। मगर लगाने वाले तो राजनीति सिद्ध करने के लिए जुगाड़ लगा ही लेते हैं। ये नजारा हापुड़ चुंगी चौराहे का है जहां पर स्थापित गोल चक्कर पर नेताओं ने अपने होर्डिंग लगाकर निशुल्क वाली प्रचार की हसरतों को पूरा किया है। मगर इस वजह से चौराहे की लाईटों पर खड़े वाहनों को सामने से आने वाले वाहनों की विजिबिलिटी नहीं दिखती है। जिस वजह से किसी भी दुर्घटना की प्रबल संभावनाएं हैं। नगर निगम वाले ध्यान दें।

सपा वाले भी करेंगे इस बार भीमराव अंबेडकर का जगह-जगह सम्मान

आज से शुरू होकर 14 अप्रैल तक चलेगा सपा का अभियान

भाजपा और आरएसएस की बैठक के बाद सपा ने भी भीमराव अंबेडकर पर किया फोकस

गाजियाबाद, करंट क्राइम : राजनीति में विपक्षी दल एक दूसरे की क्रिया और प्रतिक्रिया पर बेहद नजर रखते हैं। तो वही एक पार्टी जिस लाइन को पकड़ती है, दूसरी पार्टी भी उसी लाइन पर चलने का काम करती है। बीते दिनों गाजियाबाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की एक प्रमुख बैठक हुई थी, उस बैठक में 14 अंबेडकर से संविधान रचयिता बाबा भीमराव अंबेडकर को लेकर नई योजना और रणनीति बनाई गई थी। तो उससे पहले समाजवादी पार्टी ने 8 अप्रैल से प्रदेश भर में स्वाभिमान स्वमान समारोह आयोजित करने का प्लान कर दिया है। प्रदेश से जारी कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को शास्त्री नगर में रहने वाले समाजवादी पार्टी



भाजपा और सपा अंबेडकर को लेकर बना रही है चुनावी प्लान

करंट क्राइम : एक तरफ उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी 2027 को लेकर प्लानिंग में जुटी हुई है, तो समाजवादी पार्टी भी इस बार सत्ता में वापसी के लिए प्रयास कर रही है लेकिन दोनों ही पार्टी के केंद्र बिंदु में भीमराव अंबेडकर बसे हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जहां भीमराव अंबेडकर जी के नाम, सम्मान और तस्वीर को लेकर नई रणनीति बनाई है। तो समाजवादी पार्टी बीजेपी से पहले मैदान में उतर आई है और कार्यक्रमों की शुरुआत प्रदेश स्तर पर कर दी गई है।



सुनावी परिणाम बताएंगे किसको मिला कितना फायदा

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी इस अभियान को मंगलवार से शुरू कर रही है, तो भारतीय जनता पार्टी भी भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन 14 अप्रैल से लेकर एक नई दिशा और दशा बदलने के लिए अंबेडकर को लेकर राजनीति शुरू करेगी। देखना होगा कि 2027 में होने वाले चुनाव में किस पार्टी को कितना लाभ मिलता है और अंबेडकर पॉलिटिक्स का कितना लाभ चुनावी वोटों में तब्दील होता है।

के पूर्व विधायक प्रत्याशी गाजियाबाद विधानसभा सीट विशाल बर्मा के घर पर अंबेडकर जी की याद में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के साथ पार्टी के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

कई योजनाओं में कोषाध्यक्ष की पारी खेलने वाले संजीव गुप्ता को मिलेगा क्या प्रमुख टीम में स्थान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में कुछ लोग बेहद शांत भाव से काम करते हैं, शालीन तरीके से काम करते हैं और वो कभी डिमांड भी नहीं करते। ऐसे चेहरों में भाजपा महानगर टीम के कोषाध्यक्ष संजीव गुप्ता का भी नाम आता है। संजीव गुप्ता कई योजनाओं में भाजपा की टीम में कोषाध्यक्ष वाली पारी खेल चुके हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वो अशोक मोंगा से लेकर संजीव शर्मा तक की टीम में स्थाना बनाए रखने में सफल हुए हैं।

उसकी एक वजह ये भी है कि संजीव गुप्ता अपने व्यवहार से सामने वाले को कायल करते हैं, वो कभी भी अनावश्यक बहस में नहीं पड़ते और शालीन तरीके से अपनी बात रखते हैं। भाजपा का ये चेहरा क्या अन्य दायित्व ले पाएगा ये देखने की बात है। यहाँ फिर दोहरा दें कि संजीव गुप्ता एक ऐसा चेहरा हैं जो अलग-अलग अध्यक्षों के साथ टीम में कोषाध्यक्ष रहे हैं। क्या पार्टी इस बार इस चेहरे को महामंत्री वाले स्थान पर रखेगी।

सौम्य व्यवहार के धनी संजीव गुप्ता का आगवा क्या टीम में नाम



मुख्यमंत्री से लेकर पूर्व राष्ट्रपति से हो चुके हैं सम्मानित

करंट क्राइम। संजीव गुप्ता भाजपा की राजनीति का एक ऐसा नाम हैं जो कभी किसी विवाद में खुद को इन्वॉल्व नहीं करते। आलोचना करने वालों से मुस्कुराकर मिलते हैं। उनका व्यक्तित्व है कि हाल ही में उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया और बीते दिनों उन्हें भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सम्मानित किया। सम्मान की एक परंपरा और गाजियाबाद का यह सम्मानित चेहरा अब मुख्य टीम में मुख्य पद पर आना चाहिए, ऐसा उनके समर्थक कहते हैं।

धार्मिक आस्था से लेकर सामाजिक जिम्मेदारियों तक संजीव गुप्ता

करंट क्राइम। संजीव गुप्ता भाजपा की राजनीति में एक्टिव रहते हैं। दायित्व जो भी मिले उसे सहर्ष पूरा करते हैं। पार्टी के अनुशासित कार्यकर्ता हैं। बड़ी बात ये है कि इन सबके बीच वो धार्मिक आस्था से पूरा वास्ता रखते हैं। सपनावत में मां वैष्णो धाम की स्थापना की है। नवरात्र में यहां हर वर्ष मेला लगता है और लाखों श्रद्धालु आते हैं। अगर गाजियाबाद की बात करें तो इस्कॉन मंदिर से उनका पुराना नाता है। इतना ही नहीं क्षेत्र की प्रमुख रामलीला से लेकर हर छोटे-बड़े धार्मिक आयोजन में संजीव गुप्ता सहयोग करते हैं और खुद की भागीदारी भी प्रदर्शित करते हैं। धार्मिक अस्थाओं के साथ-साथ वो सामाजिक दायित्वों को लेकर भी एक्टिव रहते हैं। समाज के प्रति, राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं भूलते हैं।

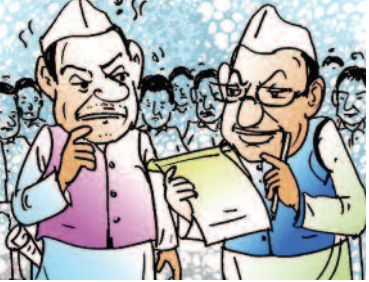
क्या संजीव गुप्ता पर होगी सरकारी दायित्व वाली कृपा

करंट क्राइम। अगर प्रोफाइल की बात करें तो और यहां मैरिट की बात करें तो संजीव गुप्ता उस फ्रेम में फिट बैठते हैं जहां सरकारी कृपा होती है। पार्टी उन्हें बड़ा दायित्व दे सकती है। सरकारी कृपा से नवाज से सकती है। वो अपने प्रोफाइल कार्ड के साथ इस दावेदारी में फिट बैठते हैं। उत्तर प्रदेश में दूसरी पारी की सरकार में संजीव गुप्ता को सरकारी जिम्मेदारी से क्या पार्टी नवाजती है, यह देखने की बात है। कार्यकर्ताओं के एक बड़े समूह का भी ये मानना है कि ऐसे चेहरों को सरकारी दायित्व से नवाजा जाना चाहिए। ऐसे चेहरों की कार्यशैली से सरकार का आम जनमानस के बीच सकारात्मक संदेश जाता है। वो अपनी कार्यशैली से, अपने व्यवहार से यह संदेश देने में कामयाब रहते हैं कि ह्रासबका साथ और सबका विकास होगा।



गाजियाबाद करंट क्राइम। आज से 45 वर्ष पूर्व भारतीय जनता पार्टी की स्थापना फिरोजशाह कोटला मैदान में हुई जिसका मै स्वयं प्रत्यक्ष दर्शू हैं। पार्टी की स्थापना की एक पृष्ठभूमि थी। 1977 में जनसंघ का विलय जनता पार्टी में हुआ था। विलय के अधिवेशन का भी मैं गवाह हूं। उस विलय के सम्मेलन में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि हम अपनी पार्टी समाप्त करके आए हैं। हम वापसी के सारे रास्ते और पुलों को तोड़कर आए हैं। लेकिन तीन वर्ष में ही भारतीय जनता पार्टी के रूप जनसंघ की विरासत से जुड़े लोगों को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना करनी पड़ी। जनता पार्टी के शासन द्वारा किए गए अच्छे कार्यों में अपने योगदान का श्रेय भाजपा नहीं

जिस विचार की खिल्ली उड़ाई जाती थी, उसकी विजय को हम आज अनुभव कर रहे हैं : बालेश्वर त्यागी



छोड़ना चाहती थी। इसका स्पष्ट प्रभाव पार्टी के नाम और झंडे में दिखता है। उस समय तो नीतियों में दिखता था इसलिए गांधीवादी समाजवाद की बात कही गई थी। ये अलग बात है कि आगे चलकर अटल बिहारी वाजपेयी जी को कहना पड़ा कि पता नहीं कार्यकर्ताओं के गले में गांधी अटक गया या समाजवाद अटक गया। इस संघर्ष पूर्ण यात्रा के बाद भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा दल है और केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार है। अनेक प्रदेशों में भी भाजपा की सरकारें हैं। ये एक सुखद उपलब्धि है। जो इस 45 वर्ष की इस यात्रा के सहयात्री नहीं हैं और आज सत्ता में हैं उनको

जो आनंद है उससे ज्यादा आनंद उन लोगों को है जो इस 45 वर्ष की यात्रा के सहयात्री रहे हैं। वे लाल किले से अटल बिहारी वाजपेयी जी के भाषण के सपनों को लेकर जिए और आज उनके सपना का साकार होना गर्व का बड़ा कारण है। इसमें विचार सबसे महत्वपूर्ण था। मोटीवैटर अक्सर कहते भी हैं कि यात्रा में जितना सामान कम होगा यात्रा उतनी ही सुगम होगी। यात्रा को सुगम बनाने के लिए छोड़ा गया अनपेक्षित ही कहा जाएगा। एक परिवर्तन जो स्पष्ट परिलक्षित होता है वह है कार्य संस्कृति में परिवर्तन। यात्रा के इस मोड़ पर पहुंचकर इसकी समीक्षा करने का साहस किसी में है ??

अक्सर कहते हैं कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है। यह विचार पीछे छूट गए के मोह से मुक्त करता है। सत्ता और उसके माध्यम से किए गए कार्यों से प्राप्त उपलब्धि इतनी बड़ी है कि बहुत सारी बातें गौण लगती हैं। लेकिन जो पीछे छूट गया है वह इतना भी अर्थहीन नहीं है कि उसे चर्चा के योग्य भी नहीं है। उसकी

1977 में जनसंघ का विलय जनता पार्टी में हुआ था। विलय के अधिवेशन का भी मैं गवाह हूं। उस विलय के सम्मेलन में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि हम अपनी पार्टी समाप्त करके आए हैं। हम वापसी के सारे रास्ते और पुलों को तोड़कर आए हैं।

जो पीछे छूट गया है वह इतना भी अर्थहीन नहीं है कि उसे चर्चा के योग्य भी नहीं है। उसकी चर्चा आज के दिन करना प्रासंगिक है। सामूहिक नेतृत्व, सतत संवाद जैसे विषय गौण हुए हैं। जीत बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। सामाजिक समीकरण के नाम पर जातिवाद बढ़ा है। धन का प्रभाव बढ़ा है और साधना जैसे शब्द अर्थ खोते जा रहे हैं। अगर इस ओर भी ध्यान जाय तो शायद और बेहतर भविष्य हो सकता है।

चर्चा आज के दिन करना प्रासंगिक है। सामूहिक नेतृत्व, सतत संवाद जैसे विषय गौण हुए हैं। जीत बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। सामाजिक समीकरण के नाम पर जातिवाद बढ़ा है। धन का प्रभाव बढ़ा है और साधना जैसे शब्द अर्थ खोते जा रहे हैं। अगर इस ओर भी ध्यान जाय तो शायद और बेहतर भविष्य हो सकता है।



» क्यों कहा कहने वाले ने कि क्रांतिकारी युवा त्यागी ने यूं ही नहीं भरी है बाइक वाली हुंकार? कहने वाले ने कहा- इस हुंकार के पीछे पूरे गौरव से किसी ने खोपड़ा लगाकर डाला है विचार? कराया क्रांतिकारी को ये एहसास, ना जाने नामित वाली फाइल होगी कब पास? इसलिए तुम करो मोर्चा का प्रेजिडेंट बनने का प्रयास? इसलिए क्रांतिकारी त्यागी ने करा दिया मौका मिलते ही अपनी ताकत का एहसास?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि क्रांतिकारी त्यागी की बाइक रैली की बात को आप यूं ना खत्म करो? वो युवा नेता है बहुत ही सक्रिय? यूं आप इन पर सितम ना करो? आपने देखा कि किस तरह बाइक रैली का संयोजक बनकर उन्होंने सफल किया है प्रोग्राम? अगर आसपास की बाइक रैलियों का जिक्र करें तो संयोजक के तौर पर उसमें फर्स्ट दिख रहे हैं श्रीमान? उन्होंने इस रैली से कराया है इस बात का स्पष्ट एहसास? लेकर चलेते हैं वो अपने साथ युवाओं का काफिला? बस इस बार कैसे ही कोई पूरी कर दे उनकी आस?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें ये तब पता चला कि मुराद पूरी करने वाले विधायक को उनके युवा समर्थक क्यों इतना चाहते हैं? हमारी इस बात की गुत्थी तब सुलझी, जब हमने देखा कि विधायक जी एक ही थाली में अपने प्रिय युवा साथियों के साथ खाना खाते हैं? हम ये एक सामाजिक कार्यक्रम में मौजूद? वहां पर विधायक जी के साथ दिख रहा था युवा अरोड़ा का वजूद? हमने देखा विधायक जी और युवा एक ही थाली में कर रहे थे खाना डोयर? यूं ही नहीं कोई विधायक जी से इतनी मोहब्बत करेगा? आखिर जब वो करते हैं अपने साथियों की इतनी केयर?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि क्रांतिकारी विधानसभा के बिग ब्रदर सौम्य मावी से जुदा हैं स्मॉल ब्रदर सौम्य मावी के अंदाज? हम देख रहे हैं वो पूरी ताकत से नजर आ रहे हैं क्रांतिकारी वालों के साथ? उन्होंने कहीं पर दिया है ये स्पष्ट संदेश? क्रांतिकारी विधायक के साथ है पूरी तरह से हमारा फेस? सम्मान की इस लड़ाई में हम हैं पूरी तरह उनके साथ? बस इससे ज्यादा नहीं प्रकट कर सकते हम अपने इस मामले में जज्बात?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि हम पहले ही मीडिया वाले चौधरी साहब को दे रहे थे संदेश? वो थोड़ा सा संभलकर चलें और फोटो सेशन वाले मामले से फिलहाल दूर ही रखें अपना फेस? बावजूद इसके उन्होंने नहीं मानी हमारी बात? हमने देखा आठ वर्ष वाले प्रोग्राम में जब वो ले रहे थे विलक-विलक का आनंद? तब ही गए उनसे प्रमुख चेहरे नाखा? उन्होंने दिया मौके पर ही उनको सीनियरिटी का ज्ञान? कहने वाले ने कहा- जो करना था वो कर चुके थे, दो चेहरे काम?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि संगठन में आने के शर्मा वकील साहब, शर्मा मास्टर जी कर रहे हैं प्रयास? सुना है दोनों के बीच में है बहुत ज्यादा अपनेपन का एहसास? दोनों ही एक ही एरिया में रहते हैं? दोनों हैं इस तक संगठन में आने के लिये बेकरार? मगर हम देख रहे हैं जैसे-जैसे गेम आगे बढ़ा है, दोनों शर्माओं में से एक शर्मा ने धीरे से खुद को कर लिया है अब सिस्टम से दूर? उन्हें करा दिया है किसी ने एहसास? कुछ नहीं होने वाला इसलिए ज्यादा मत करो अब खास होने का प्रयास?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि फिलहाल आप लिख सकते हो मेरी बात? मुराद पूरी करने वाले नगर से एक शर्मा जी मारेगे महान वाली सिस्टम में मंत्री वाली एंटी? सुना है काफी हद तक फाइल हो गई है उनकी बात? सुना है इन शर्मा चेहरों को द यूनिशन वालों का मिल रहा है भरपूर साथ? हम यहां तक भी ले सकते हैं गारंटी? पद कुछ भी मिले उनकी जरूर होगी टीम में एंटी?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारा भगवा पहलवान तक पहुंचा दो संदेश? संगठन की जगह वो अब मुशायरों में बिजी रखें अपना फेस? हम देख रहे हैं, ये लगातार पढ़ रहे हैं दर्द-ए-दिल की शायरी? अंदाज दिख रहे हैं फायरी? हमने देखा अब तो उनके बेस्ट फ्रेंड ने भी उनकी शायरी पर करना शुरू कर दिया है रिप्लाई? वाह-वाह की आवाजें हमें अब शाहर विधानसभा से भी दे रही हैं सुनाई?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार से उठ रही है संगठन में आने की किसी प्रीत? सुना है कोई मितल जी फिर से जगा चुके हैं अपनी नव वाली मीत? सुना है भगवा योद्धा के साथ उनका है ओटीपी वाली क्लास लेने का इतिहास? पता चला है इसी के बूते ये कर रहे हैं टीम में आने का प्रयास? मगर इनकी किसी बात पर नहीं मिल सकता है इन्हें फेवर? कभी भी भगवा लोटस दिखा सकते हैं अपना तेवर?

» क्यों कहा कहने वाले ने कि अगर वेस्टर्न वाले ठाकुर साहब का लगा बीटो तो भगवा योद्धा की टीम में जरूर आएगा नदिया पार के त्यागी जी का नाम? सुना है पहले भी त्यागी जी के ऊपर जितनी भी हुई है कृपा वेस्टर्न से ही निकला है उनके लिये पैगाम? कहने वाले ने कहा- इस बार भी वो देंगे सबको जोर का झटका धीरे से? कर्क बिगारदी के आभूषणों की चमक फीकी पड़ जाएगी इन वाले हीरे से?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

संपादकीय

कांग्रेस में कलह

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच का विवाद अभी भी जारी है, जो पार्टी के लिए सही नहीं है। इन दोनों नेताओं के बीच कलह की बात वक्त-वक्त पर सामने आती रही है और शीर्ष नेतृत्व अभी तक इसे सुलझाने में नाकाम रहा है। वर्चस्व की लड़ाई सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का टकराव वर्चस्व की लड़ाई है। दोनों नेता राज्य संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं। ऐसा ही कुछ राजस्थान में भी देखने को मिला था, जहां आखिरकार पार्टी को सता गंवांनी पड़ी। बिल्कुल वही सब अब कर्नाटक में हो रहा है। यह बिल्कुल अप्रत्याशित स्थिति है, जहां सीएम और उनके मंत्री चाहते हैं कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अपने पद से इस्तीफा दे दें। जब इस तरह साफ-साफ दो गुट बन गए जाएं, तो न संगठन ठीक से चल सकता है और न सरकार। गुटबाजी का रोग कांग्रेस की इस समय केवल तीन राज्यों में सरकार है - कर्नाटक, तेलंगाणा और हिमाचल प्रदेश। झारखंड और जम्मू-कश्मीर में वह सरकार का हिस्सा जरूर है, लेकिन जूनियर पार्टनर के रूप में। जहां पार्टी की अपनी सरकार है, वहां भी सब ठीक नहीं लग रहा। कर्नाटक की कहानी तो चल ही रही है, तेलंगाणा और हिमाचल से भी गुटबाजी की खबरें आती रही हैं। हिमाचल में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नौ विधायकों ने क्रांस वॉटिंग कर दी थी और पार्टी के उम्मीदवार को हार मिली थी। केंद्रीय नेतृत्व की कमजोरी लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं, तो लगा कि पार्टी वापसी की राह पर है। लेकिन, एक के बाद एक विधानसभा चुनावों में हार ने उसे फिर बेपटरी कर दिया। उसने लोकसभा चुनाव से जो भी बढ़त कमाई थी, वह हरियाणा और महाराष्ट्र में मिली हार में खर्च हो गई। और इसके पीछे वजह रही गुटबाजी। दोनों राज्यों में स्पष्ट तौर पर पुरा संगठन बंटा नजर आ रहा था, पर केंद्रीय नेतृत्व सही वक्त पर कठोर फैसले लेने में नाकाम रहा। स्थिति कयजोर पड़ी कांग्रेस के अंदर कलह का असर विपक्ष के बाकी दलों के साथ उसके रिश्तों और I.N.D.I.A. ब्लॉक में उसकी स्थिति पर भी पड़ रहा है। यूपी उपचुनाव और दिल्ली विधानसभा इलेक्शन, कहीं भी साथी दलों ने कांग्रेस को भाव नहीं दिया। यही हालात बिहार में भी दिख रहे हैं, जहां इसी साल चुनाव होना है। जब तक वह आपस की लड़ाई से बाहर नहीं निकलती, पार्टी का मजबूत स्थिति में आना मुश्किल है।

रोचक तथ्यों का करंट



- स्पेस में गुरुत्वाकर्षण न होने के कारण स्पेस यात्री भोजन पर नमक या मिर्च नहीं छिड़क सकते हैं। वे भोजन भी द्रव्य के रूप में लेते हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि सूखे भोजन हवा में तैरने लगेंगे और इधर उधर टकराने के साथ ही स्पेस यात्री की आंख में भी घुस जाएगा। एक अंतरिक्ष यात्री के हेलमेट के अंदर, एक वेबे पैच होता है जो एक स्क्रीन के रूप में कार्य करता है।
- अगर आप अंतरिक्ष में जाते हैं तो आप गला घुटने की बजाए शरीर के फटने से पहले मर जाएंगे क्योंकि वहाँ पर हवा का दबाव नहीं है।
- स्पेस में यदि धातु के दो टुकड़े एक दूसरे को स्पर्श कर लें तो वे स्थायी रूप से जुड़ जाते हैं।
- शनि के छल्ले ठोस नहीं हैं वे बर्फ, धूल और चट्टान के टुकड़े से बने होते हैं।
- सोवियत संघ द्वारा 4 अक्टूबर को विश्व का पहला सैटेलाइट-स्पूटेनिक फर्स्ट लॉन्च किया गया था। यह हर 98 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगा था।
- अंतरिक्ष में तैरता हुआ एक जलाशय है जिसमे दुनिया भर के समुद्र के पानी की तुलना में 140 ट्रिलियन गुना अधिक पानी है।

राशिफल

मेष : आज परिवारजनों के साथ समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा। लंबे समय से चल रहा प्रॉपर्टी से जुड़ा विवाद सुलझेगा। क्रोध को अपने ऊपर हावी न होने दें।
वृष : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में जबरदस्त सफलता मिलेगी। कोई विशेष लाभ आपको मिल सकता है। साथ काम करने वालों से आपको खुशी मिलेगी।
मिथुन : आज व्यापारिक यात्राओं से बचे। आज घर के किसी काम की गति धीमी हो सकती है। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है।
कर्क : आज का दिन परिवार के लोगों के साथ अच्छा बीतेगा। यह पुरानी यादों को दिमाग में जिंदा रखते हुए दोस्ती को पुनर्जीवित करने का समय है।
सिंह : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार पर ध्यान देंगे। घरेलू खर्चों में भी खूब धन खर्च होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
कन्या : आज अचानक धन लाभ होगा। आपको कई योजनाएं समय से पूरी होंगी। परिवार में सभी खुश रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको जल्द ही सफलता मिलेगी।
तुला : आज मानसिक संतुलन बनाए रखें। करियर और प्रोफेशन के लिए समय सामान्य है। दोस्तों के साथ शाम बिताना तो दिलचस्प रहेगा ही।
वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। व्यापारियों के लिए दिन बहुत ही खास रहेगा। आपके उत्पाद की मांग बढ़ेगी, जिससे आमदनी अच्छी होगी।
धनु : आज किसी कार्य के लिए बनाई गई योजना सफल होगी। इस राशि के साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।
मकर : आज आप अपने जीवन को लेकर कुछ तनाव में रहेंगे। तनाव कम करने के लिए आपको अपने दोस्तों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना चाहिए।
कुंभ : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। खर्च जरूर होंगे लेकिन फिर भी अन्य दिनों की तुलना में कम ही होंगे। आमदनी में थोड़ी वृद्धि होगी।
मीन : आज आपको परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपको छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से बचना चाहिए। इससे आपको ही नुकसान हो सकता है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 0989655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सर्वेटर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपाक कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.J.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

सम्पादकीय

ट्रंप के टैरिफ लगाने का फैसला एशिया पर डाल रहा ज्यादा असर

नई दिल्ली। भारत में सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का संसेक्स पिछले बंद से 3000-4000 अंक नीचे रहा। वहीं, निफ्टी में भी करीब 1100 अंकों की गिरावट आई। बाजार विशेषज्ञों ने इस गिरावट के बारे में गुरवार को ही चेतावनी जारी कर दी थी, जब ट्रंप ने दुनियाभर की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से आयात होने वाले अहम उत्पादों पर आयात शुल्क लगा दिया था। हालांकि, इसका असर असर सोमवार से दिखना शुरू हुआ है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि जापान से लेकर चीन तक, एशिया में सभी शेयर बाजारों में भारी बिकवाली का दौर देखा गया है।

पहले जायें- भारत पर कितना भीषण रहा है ट्रंप के टैरिफ का असर

बीएसई का संसेक्स ने सुबह खुलने के बाद सीधा 3900 से ज्यादा अंकों का गोता लगाया। यह पिछले बंद से करीब 5.22 फीसदी की गिरावट थी। रिपोटर्स के मुताबिक, इस दौरान भारत के शेयर बाजार से निवेशकों का



करीब 20 लाख करोड़ रुपया साफ हो गया। हालांकि, दोपहर आते-आते संसेक्स थोड़ा संभला और यह गिरावट 3200 अंकों के करीब आती दिखी।

भारत के अलावा और किन देशों में मार्केट का रहा बुरा हाल

मार्केट विश्लेषकों ने पहले ही एलान किया था कि सोमवार का दिन ब्लैक मंडे हो सकता है। यानी इस दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है। हुआ भी कुछ ऐसा ही। दुनिया में सबसे पहले खुलने वाले पूर्व में स्थित देशों (एशिया) में शेयर बाजार के खुलने के साथ ही बड़ी

गिरावट दर्ज की गई। आलम यह रहा कि चीन के शंघाई से लेकर जान के टोक्यो और ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से लेकर दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार तक में जबरदस्त बिकवाली का दौर देखा गया। बाजार में इस दिन को 'ब्लडबाथ' तक कहा गया है।

ट्रंप के टैरिफ का इतना बुरा असर क्यों

गौरतलब है कि एशिया के अधिकतर देश अहम उत्पादकों में रहे हैं। चीन से लेकर वियतनाम और भारत से लेकर बांग्लादेश तक की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा देश में

निर्मित उत्पादों के निर्यात पर निर्भर है। एशिया के अधिकतर देशों के लिए अमेरिका एक बड़ा मार्केट है। हालांकि, ट्रंप की तरफ से आयात शुल्क लगाने के फैसले से इन देशों के निर्यात पर असर पड़ने की संभावना है। दरअसल, अमेरिका जिन देशों से आयात करता रहा है, अब वहां के उत्पाद खरीदने के लिए अमेरिकी नागरिकों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसकी वजह है बढ़े हुए आयात शुल्क, जो कि इनकी मूल कीमतों के ऊपर जुड़े हैं। ऐसे में एशिया के निर्यातक देशों पर टैरिफ का असर सबसे ज्यादा पड़ रहा है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मामले के पूर्व उप मंत्री रहे फ्रैंक लाविन के मुताबिक, ट्रंप के टैरिफ का सबसे ज्यादा असर एशियाई बाजारों पर ही दिखने की संभावना है, क्योंकि यहां के बाजार अमेरिका को सबसे ज्यादा निर्यात करते हैं। चैंकाने वाली बात यह है कि शेयर बाजारों पर पड़ने वाले इस नकारात्मक प्रभाव की खबरों के बावजूद 'डोनाल्ड ट्रंप' ने रविवार देर रात कहा कि बाजारों को 'दवा' लेने की जरूरत है।

शेयर बाजार में गिरावट पर कांग्रेस हमलावर

कहा- मोदी और ट्रंप अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने में माहिर

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट हुई। संसेक्स और निफ्टी में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। इसे लेकर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को अच्छे दोस्त बताते हैं। दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खुद ही नुकसान पहुंचाने में माहिर हैं। 18 नवंबर 2016 को नोटबंदी हुई थी। 2 अप्रैल 2025 को विचित्र जवाबी टैरिफ लगाए हैं। बाजार टैरिफ लगाने के तरीके पर पूर्वानुमानित प्रतिक्रिया दे रहे हैं।



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के जवाबी टैरिफ के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट को लेकर कांग्रेस ने हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने में माहिर हैं। बाजार भी अनुमान के मुताबिक टैरिफिंग तरीके से प्रतिक्रिया कर रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

एक्स पर पोस्ट में लिखा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को अच्छे दोस्त बताते हैं। दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खुद ही नुकसान पहुंचाने में माहिर हैं। 18 नवंबर 2016 को नोटबंदी हुई थी। 2 अप्रैल 2025 को विचित्र जवाबी टैरिफ लगाए हैं। बाजार टैरिफ लगाने के तरीके पर पूर्वानुमानित प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

शेयर बाजार में भारी गिरावट
डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ से उपजी आशंकाओं और अमेरिकी बाजार की रिकॉर्ड गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट हुई। संसेक्स और निफ्टी में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई। शुरूआती कारोबार में संसेक्स 3,939.68 अंक यानी 5.22 फीसदी गिरकर 71,425.01 अंक पर खुला, जबकि निफ्टी 1,160.8 अंक यानी 5.06 फीसदी गिरकर 21,743.65 अंक पर आ गया। संसेक्स की सभी 30 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे। टाटा स्टील में 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, उसके बाद टाटा मोटर्स में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

समझदारी से बाजार में उठाएं फायदा

चुनौतियों में छिपा है निवेश का सुनहरा मौका

नई दिल्ली। अमेरिका के प्रमुख देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा से दुनियाभर के शेयर बाजारों में दहशत का माहौल है। अमेरिका के इस कदम का असर सिर्फ बाजार पर ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी महसूस किया जा रहा है। जिन सेक्टरों की अमेरिका पर निर्भरता ज्यादा है, उन पर टैरिफ की ज्यादा मार पड़ी है। इनमें वाहन, टेक्सटाइल, आईटी और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों के शेयर पहले से ही दबाव में हैं, जो अगले कुछ हफ्तों तक बरकरार रह



सकता है। ट्रंप प्रशासन की अगली नजर फार्मा और सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर है। इससे बाजार में निवेशकों के बीच चिंता का माहौल और भी गहरा हुआ है।

अगली बैठक तक बना रहेगा दबाव
भारतीय बाजार पर दबाव तब तक बना रहेगा, जब तक भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर अगली बैठक नहीं होती, जो इसी महीने के अंत में संभावित है। बैठक में 26 फीसदी टैरिफ के असर को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। मौजूदा स्थिति भारत के लिए चुनौतियों के साथ अवसर भी पैदा कर रही है।

08 04 2025

करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन



अल्लू अर्जुन
(अभिनेता)



युवराज भडाना



ध्रुव पंडित



शिवानी शर्मा



पूनम सिंह



विनोद कुमार



मिंटू गौतम



सुखजिंदर संधु



हिमांशु त्यागी



प्रीस मिश्रा



सचिन शर्मा



शिवम शर्मा



साबारी



मुन्ना मिश्रा



अमित अग्निहोत्री



महेश वर्मा



संदीप खरबंदा



नीरज गोयल



रूपेश त्यागी



प्रदीप झां

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

